IGN COLLEGE , Dhanora (LADWA) Distt. Kurukshetra

Notice 17.03.2018

Our college is organizing One Day National Seminar on ''संस्कृत साहित्य में स्त्री सशक्तिकरण के प्रारूप और उनके प्रयोग'' on dated 20.03.2018 in Mini Hall. The following members of the staff have been assigned the duties for the success of seminar. They are requested to perform the duties assigned to them.

Seating arrangement, Mike, Lighting, Photography & Projector.

1. Dr. Yashpal Singh — Mr. Naresh Saini
2. Dr. Kuldeep Singh — Mr. Raj Kumar
3. Mr. Rajbir Singh — Mr. Karnail Singh
   Mr. Parveen Kumar

Stage Setting, Mementoes, Lightning of Lamp & bouquet

1. Dr. Madhu Gupta — Mr. Rakib
2. Prof. (Mrs.) Harneet Kaur — Ms. Asha
3. Dr. Suman Siwach

Refreshement and Lunch Committee

1. Dr. Rajesh Kumar — Mr. Sushil Kumar
2. Dr. Rupesh Gaur — Mr. Roop Chand
3. Dr. Mohan Lal — Ms. Salochna

Certificates and Registration

1. Ms. Sunita
2. Dr. Neeru Bala
3. Dr. Sudesh Kumar
4. Ms. Rajni Saini
5. Ms. Shivani

Principal
Indira Gandhi National College
LADWA Distt. Kurukshetra
Principal

IGN COLLEGE , LADWA (Dhanora) Distt. Kurukshetra

Dated: 19-03-2018

STAFF NOTICE

All the staff members are informed that Sanskrit Departmet of the college is organizing One Day National Seminar on 20.03.2018. The Staff members can attend the seminar during the free time and are cordially invited for Lunch in Auditorium.

PRINCIPAL

Sr. No.	Name (Sh./Ms.)	Signature	Name (Sh./Ms.)	Signature
1.	Vijay Kumar		Varinder Sethi	
2.	J.K. Gupta		Sushil Kumar	
3.	Nisha Rani		Karnail Singh	
4.	Ravinder Sharma		Salochna	
5.	Rattan Singh		Roop Chand	
6.	Muni Lal		Parveen Kumar	
7.	Joginder Singh		Mukesh Kumar	
8.	Rakib			
9.	Naresh Kumar			
10.	Naresh Pal			
11.	Raj Kumar			
12.	Jagdeep Chahal			
13.	Raj Pal			

IGN COLLEGE , LADWA (Dhanora) Distt. Kuruksh...

Dated: 19-03-2018

STAFF NOTICE

All the staff members are informed that Sanskrit Department of the college is organizing One Day National Seminar on 20.03.2018. The Staff members are invited to attend the seminar during their free periods and they are also invited for Lunch in the Auditorium.

PRINCIPAL

S.No.	Name (Dr./Sh./Ms.)	Signature	Name (Dr./Sh./Ms.)	Signature
1	R.K.Chauhan, Asso. Prof.	[signature]	Rajbir Singh, Lecturer	[signature]
2	Madhu Gupta Asso. Prof.	[signature]	Karamjeet Kaur Lecturer	[signature]
3	Ashok Verma, Asso. Prof.	[signature]	Sourabh Singla, Lecturer	
4	Sadhna Gupta, Asso.Prof.	[signature]	Rajni Saini, Lecturer	
5	S.C.Sharma, Asso.Prof.	[signature]	Sonia, Lecturer	
6	A.K.Garg, Asso. Prof.	[signature]	Dolly Kush, Lecturer	
7	Romesh Bhaal Asso.Prof.	[signature]	Ruchika Gupta, Lecturer	
8	Sandeep Bansal, Asso.Prof	[signature]	Ramanpreet, Lecturer	
9	Rajesh Kumar Asst.Prof.	[signature]	Satish Kumar, Lecturer	
10	Rupesh Gaur Librarian	[signature]	Shivani Gupta, Lecturer	
11	Yash Pal Singh Asstt.Prof.	[signature]	Megha Gupta, Lecturer	
12	Harneet Kaur Asstt.Prof.	[signature]	Kritika, Lecturer	
13	Mohan Lal Asstt.Prof.	[signature]		
14	Sunita Rani Asstt.Prof.	[signature]		
15	Vandana Gupta Asstt. Prof	[signature]		
16	Neeru Bala, Asstt. Prof.	[signature]		
17	Kuldeep Singh Asst. Prof.	[signature]		
18	Niti Goyal Asstt. Prof.			
19	Suman Siwach Asstt. Prof.			
20	Amit Kumar, Asstt. Prof.	[signature]		
21	Sudesh Kumar, Asstt. Prof.	[signature]		
22	Amit Verma, Asstt. Prof.	[signature]		
23	Neetu, Asstt. Prof.	[signature]		
24	Priyanka, Asstt. Prof.	[signature]		

प्रेस विज्ञप्ति
20.03.2018
इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा

लाडवा 20.03.2018: इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आज संस्कृत विभाग की तरफ से हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग से **"संस्कृत साहित्य में स्त्री सशक्तिकरण के प्रारूप और उनके प्रयोग" विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी** का सफल आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने इस संगोष्ठी में उपस्थित सभी विद्वज्जनों श्री पवन गर्ग, प्रधान, प्रबंधकसमिति, डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला, डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, डॉ. विभा अग्रवाल, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, डॉ. पंकज मिश्रा, सेन्ट स्टीफन्स कॉलेज, दिल्ली,डॉ. कामदेव झा, प्राचार्य, डी.ए.वी. कॉलेज, पेहवा, डॉ. राधा कृष्ण नैन, अध्यक्ष, हरियाणा संस्कृत परिषद्, कुरुक्षेत्र, डॉ. आशुतोष अंगीरस, सनातन धर्म महाविद्यालय, अम्बाला कैंट डॉ०सुमन राजन वरिष्ठ प्राध्यापिका डी०एन०कालेज कुरुक्षेत्र का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया।

श्री पवन गर्ग, प्रधान, प्रबंधकसमिति ने उपस्थित सभी अतिथियों को हार्दिक अभिनंदन किया। डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र जी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि नारी पहले और अब हमेशा से ही सशक्त रही हैं। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते तत्र रमन्ते देवताः इस श्लोक से नारी की महत्ता को बखान किया। डॉ. पंकज मिश्रा जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाज में सच में **महिला सशक्तिकरण – Women empowerment** लाने के लिये महिलाओं के खिलाफ बुरी प्रथाओं के मुख्य कारणों को समझना और उन्हें हटाना होगा जो कि समाज की पुरुष प्रभाव युक्त व्यवस्था है। जरुरत है कि हम महिलाओं के खिलाफ पुरानी सोच को बदले और संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों में भी बदलाव लाये। इसके साथ ही हमें महिलाओ के प्रति हमारी सोच को भी विकसित करना होगा।डॉ. सुमन राजन ने महिला सशक्तीकरण पर बोलते हुए कहा कि– माता ही बच्चे की पहली गुरु होती है। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास के काव्यों में महिलाओं को सशक्त दिखाया गया है। प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि नारी का करो सम्मान तभी देश बनेगा महान। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण मतलब महिलाओ की उस क्षमता से है िजससेठनमे ये योग्यता आ जाती है िजसमेंवे अपने जीवन से जुड़े सभी निर्णय ले सकती है। डॉ. आशुतोष अंगीरस ने कहा कि एक बार जब महिला अपना कदम उठा लेती है, तो परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर बढ़ता है। डॉ. विभा

अग्रवाल ने संगोष्ठी में बोलते हुए कहा कि *"महिलाओं को ना समझो बेकार, जीवन का है यह आधार।"* डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक पंचकूला ने अपने वक्तव्य में कहा कि नारी को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होनें कहा कि नारी तभी सशक्त हो पाएगीं जब हम सब बेटी–बचाओं, बेटी पढ़ाओं के नारे पर अमल करेंगें।

आज की इस संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए वक्ताओं एवं शोधकर्ताओं ने संस्कृत में स्त्री सशक्तिकरण के नए आयामों पर अपने विचार रखें।

संगोष्ठी में निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी ने विशिष्ठ अतिथि तथा अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिहन से सम्मानित किया । डॉ. संदीप बंसल, कॉलेज प्राध्यापक तथा डॉ. आशुतोष अंगीरस, एस.डी. कॉलेज, अम्बाला कैन्ट ने सफल मंच संचालन किया। अंत में प्राचार्य ने इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों एवं कॉलेज के शिक्षक एवं गैरशिक्षक कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह को सम्पूर्णता प्रदान की गई।

वहीं आज दूसरी तरफ डॉ. नीति गोयल के नेतृत्व में चल रहें एन.एस.एस. शिविर में गाँव धनौरा वासियों को स्वयंसेवियों ने जल बचाव, बिजली बचाव और गैस सिलेण्डर से गैस लीक होने पर बचाव के रास्तों को बताया। पंजाब नेशनल बैंक, लाडवा से आए श्री इन्दजीत जी ने डीजिटल बैकिंग के बारे में बताया।

प्राचार्य

...री सशक्तिकरण के प्रारूप और उसके प्रयोग पर आयोजित की गोष्ठी

..., (पंजाब केसरी): इन्दिरा गाँधी ... कॉलेज, लाडवा में आज संस्कृत ... की तरफ से हरियाणा संस्कृत ...दमी, पंचकूला के सहयोग से संस्कृत ...त्य में स्त्री सशक्तिकरण के प्रारूप और ... के प्रयोग विषय पर एक–दिवसीय ...ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ...चार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाष शर्मा जी ने इस संगोष्ठी में उपस्थित सभी विद्वानों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया।

पवन गर्ग, प्रधान, प्रबंधक समिति ने उपस्थित सभी अतिथियों को हार्दिक अभिनंदन किया। डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र जी ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि नारी पहले और अब हमेशा से ही सशक्त रही हैं। श्लोक से नारी की महत्ता को बखान किया। डॉ. पंकज मिश्रा ने कहा कि समाज में सच में महिला सशक्तिकरण लाने के लिये महिलाओं के खिलाफ बुरी प्रथाओं के मुख्य कारणों को समझना और उन्हें हटाना होगा जो कि समाज की पुरुष प्रभाव युक्त व्यवस्था है। जरुरत है कि हम महिलाओं के खिलाफ पुरानी सोच को बदले और संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों में भी बदलाव लाये। इसके साथ ही हमें महिलाओ के प्रति हमारी सोच को भी विकसित करना होगा। डॉ. सुमन राजन ने महिला सशक्तीकरण पर बोलते हुए कहा कि– माता ही बच्चे की पहली गुरू होती है। डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने कहा कि नारी का करो सम्मान तभी देश बनेगा महान। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण मतलब महिलाओ की उस क्षमता से है जिससे उनमे ये योग्यता आ जाती है जिसमे वे अपने जीवन से जुडे सभी निर्णय ले सकती है। डॉ. आशुतोष अंगीरस ने कहा कि एक बार जब महिला अपना कदम उठा लेती है, तो परिवार आगे बढ़ता है, गाँव आगे बढ़ता है और राष्ट्र विकास की ओर बढ़ता है। डॉ. विभा अग्रवाल ने कहा कि महिलाओं को ना समझो बेकार, जीवन का है यह आधार डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक पंचकूला ने कहा कि नारी को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखना चाहिए। उन्होनें कहा कि नारी तभी सशक्त हो पाएगीं जब हम सब बेटी–बचाओं, बेटी पढ़ाओं के नारे पर अमल करेंगें।

इंदिरा गांधी कॉलेज में नारी सशक्तिकरण गोष्ठी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते प्राचार्य।

आज की इस संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए वक्ताओं एवं शोधकर्ताओं ने संस्कृत में स्त्री सशक्तिकरण के नए आयामों पर अपने विचार रखें।

संगोष्ठी में निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी ने विशिष्ठ अतिथि तथा अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। डॉ. संदीप बंसल, कॉलेज प्राध्यापक तथा डॉ. आशुतोष अंगीरस, एस.डी. कॉलेज, अम्बाला कैन्ट ने सफल मंच संचालन किया। अंत में प्राचार्य ने इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वानों एवं कॉलेज के शिक्षक एवं गैरशिक्षक कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह को सम्पूर्णता प्रदान की गई।

1:55 PM

1:55 PM

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र)

रिपोर्ट 20.03.2018

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय नेशनल संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वाधान में 20.03.2018 को किया गया। संगोष्ठी का विषय 'संस्कृत साहित्य में स्त्री सशक्तिकरण के प्रारुप और उनके प्रयोग' रहा। इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों में मुख्यतिथि डॉ. सोमेश्वर दत्त जी, हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला, मुख्य वक्ताओं के रुप में डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, डॉ. विभा अग्रवाल कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र, डॉ. कामदेव झां, प्राचार्य डी.ए.वी. कॉलेज पेहवा, डॉ. राधा कृष्ण नैन, अध्यक्ष हरियाणा संस्कृत परिषद् आदि ने भी नारी शक्ति की महत्ता पर व्याख्यान दिया। श्री पवन गर्ग, प्रधान, प्रबंधकसमिति ने उपस्थित सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनन्दन किया। इस संगोष्ठी में 108 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में उपस्थित होने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र भी दिए गए।

प्राचार्य

v